# जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
## सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

**प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल** **क्रमांक 130**
**सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी** **दिनांक 23.08.2022**

# गाजर घास का समूल उन्मूलन हेतु जन–भागीदारी अतिआवश्यक

## कृषि विज्ञान केन्द्र में गाजर घास जागरूकता सप्ताह मनाया गया

**जबलपुर 23 अगस्त।** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की सद्प्रेरणा तथा संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा के निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर द्वारा ''गाजर घास उन्मूलन सप्ताह'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ, कृषि विज्ञान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गाजर घास को समूल रूप से नष्ट करने हेतु सभी लोगों की जन भागीदारी होनी चाहिये, जिससे गाजर घास को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकें। गाजर घास उन्मूलन सप्ताह का आयोजन डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. यतिराज खरे व डॉ. अक्षता तोमर के नेतृत्व में विभिन्न दिवसों व अलग–अलग स्थानों पर गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम चलाकर किया गया। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में गाजर घास उन्मूलन पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें किसान भाई एवं फावे के छात्र–छात्राओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया। संगोष्ठी के दौरान् केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ए. के. सिंह गाजर घास के उन्मूलन के रासायनिक विधि व कम्पोस्ट बनाने की विधि पर चर्चा की। जबकि डॉ. डी.के. सिंह ने गाजर घास से पशु, मनुष्य एवं फसलों पर होने वाले नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी दी, डॉ. यतिराज खरे ने जैविक कीट के माध्यम से गाजर घास उन्मूलन करने की बात कही। कार्यक्रम में डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. निहारिका शुक्ला, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. पूजा चतुर्वेदी आदि वैज्ञानिकों ने गाजर घास उन्मूलन के तरीके एवं उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारम्भ कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला की अध्यक्षता में किया गया।